विद्याभवन , बालिका विद्यापीठ ,लक्खीसराय

रूपम कुमारी वर्ग-सप्तम् , विषय-हिन्दी

💗💗. दिनांक- २७/६/२० 🍃 अध्ययन-सामग्री 🍃🍃.

सुप्रभात बच्चों ,

उम्मीद है कल की रोचक कक्षा में आपको बहुत ही आनंद आया होगा ,तो इसी तरह छोटी-छोटी खुशियों को समेटते रहे और अपने जीवन के चारों ओर आनंद की रेखा खींचें ....💗

बच्चों ,

आज की कक्षा में हम अव्यय के अंतर्गत ही निपात को पढ़ेंगे । निपात की जानकारी रखना भी आपके लिए आवश्यक है ।

. ***निपात– निपात उन सहायक शब्दों को कहते हैं जो वाक्य अर्थ में बिल्कुल नई अर्थ लाते हैं । इनका प्रयोग निश्चित शब्द, शब्द समुदाय या पूरे वाक्य को अतिरिक्त भावार्थ प्रदान करने के लिए किया जाता है ।***

निपात सहायक शब्द होते हुए भी वाक्य के अंग नहीं होते , पर वाक्य में इनके प्रयोग से उस वाक्य का पूरा अर्थ प्रभावित होता है ।
जैसे – काश , तो भी, जी , ही इत्यादि ।

निपात के कार्य -.

आश्चर्य प्रकट करना ,प्रश्न पूछना, किसी चीज को अस्वीकार करना तथा बल प्रदान करना ही निपात के प्रमुख कार्य हैं ।.

निपात के भेद :

- स्वीकारार्थक निपात – हाँ ,जी ,जी हाँ , बिल्कुल

नकारात्मक निपात – नहीं ,जी नहीं ,

- निषेधात्मक निपात -मत
- प्रश्न बोधक निपात – क्या ,न
- विस्मयादिबोधक निपात – काश
- बल प्रदायक या सीमा बोधक निपात- तो ,ही,भी ,तक , सिर्फ ,भर ,केवल ।
- तुलनाबोधक निपात – सा ,से, सी

- ***अवधारणा बोधक निपात – ठीक ,लगभग ,करीब ।***
- ***आदर बोधक निपात -. जी ।***

गृहकार्य:. निपात के प्रत्येक भेद का प्रयोग करके एक एक वाक्य बनाएं ।

कल फिर मिलेंगे एक कहानी के साथ